Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Regarding completion of Bihta-Aurangabad Railway Line Project.

श्री महाबली सिंह (काराकाट) : अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। आपने मुझे शून्यकाल में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाने का अवसर दिया है।

महोदय, पूर्वी मध्य रेलवे, दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन के अंतर्गत बिहटा-औरंगाबाद रेलवे लाइन की कार्य योजना करीब 15 सालों से लंबित पड़ी हुई है। उसका शिलान्यास वर्ष 2007 में हुआ था, लेकिन आज 15 साल बीत चुके हैं, फिर भी वह लंबित है। उसका सर्वे का काम भी पूरा हो चुका है। यह योजना 350 करोड़ रुपए की है। हर साल कभी 10 करोड़ रुपए, कभी 20 करोड़ रुपए इसके लिए दिए जाते हैं। इस साल के बजट में 50 करोड़ रुपए इसके लिए आवंटित किए गए हैं।

महोदय, देहात में एक किस्सा होता है कि 'ऊंट के मुंह में जीरा का फोरन'। जहां 350 करोड़ रुपए की योजना है, उसमें 10-20 करोड़ रुपए देने से वह काम नहीं हो रहा है। इसके लिए दिल्ली से लेकर पटना तक धरना प्रदर्शन, आंदोलन यहां तक कि लोगों ने दिल्ली तक की पदयात्रा भी की है।

महोदय, चार पार्लियामेंट्री क्षेत्रों – पाटलिपुत्र, जहानाबाद, औरंगाबाद और काराकाट – से होकर यह रेल लाइन गुजरती है। इस रेल परियोजना के पूरा होने से कम से कम 70 लाख लोगों को लाभ होगा। … (व्यवधान) महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है।

अत: मैं आपके माध्यम से और इस सदन के माध्यम से मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि इस साल के बजट में इस महत्वपूर्ण योजना के लिए पूरी राशि उपलब्ध कराकर इस महत्वपूर्ण काम को पूरा किया जाए। धन्यवाद।